डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

## साहित्य अकादेमी द्वारा कथासंधि कार्यक्रम का आयोजन
## प्रदीप पंत ने प्रस्तुत की अपनी कहानी

नई दिल्ली। 12 फरवरी 2020; साहित्य अकादेमी के प्रतिष्ठित कार्यक्रम कथासंधि में आज वरिष्ठ कथाकार प्रदीप पंत के कहानी–पाठ का आयोजन किया गया। उन्होंने 'वे होंगे कामयाब' शीर्षक से लिखी अपनी कहानी प्रस्तुत की। 'हंस' में प्रकाशित इस कहानी में दो भिखारियों के माध्यम से देश में चल रहे आर्थिक उदारीकरण के प्रभावों पर व्यंग्यात्मक रूप से चर्चा की गई थी। कहानी–पाठ के बाद उपस्थित लेखकों ने उनसे कुछ सवाल किए और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। राजकुमार गौतम ने उनके विविधतापूर्ण लेखन की चर्चा करते हुए उनसे अनुरोध किया कि वे दिल्ली के लेखकों के साथ बिताए अपने दिनों को संस्मरण के रूप में लिखें। ब्रजेंद्र त्रिपाठी ने उनकी कहानी में व्यंग्य की धार का उल्लेख करते हुए उसे वैश्विक संदर्भों में परिभाषित किया। प्रताप सिंह ने उनकी संपूर्ण रचना–यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी कहानी और उपन्यासों में व्यंग्य की उपस्थिति उन्हें और रोचक और पठनीय बनाती हैं। कार्यक्रम का संचालन संपादक हिंदी अनुपम तिवारी ने किया।

ज्ञात हो कि प्रदीप पंत हिंदी के चर्चित कथाकार तथा व्यंग्यकार हैं। आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं – *कुत्ते की मौत, आम आदमी का शव, एक से दूसरी, राजपथ का मेनहोल तथा अन्य कहानियाँ (कहानी–संग्रह), मैं गुट–निरपेक्ष हूँ, प्राइवेट सेक्टर का व्यंग्यकार, सच के बहाने, मीडियाकार होने के मजे, आँगन में कागा बोला तथा अन्य व्यंग्य (व्यंग्य–संग्रह), स्त्री और समाज, प्रश्न और प्रसंग (लेख और भेंटवार्ता), सफर–हमसफर, कुछ और सफर, लौटन से पहले, महादेश की दुनिया (यात्रा–संस्मरण)* आदि। आपका व्यंग्य उपन्यास *महामहिम* अत्यंत चर्चित रहा है जिसका मराठी में अनुवाद हो चुका है और कुछ अन्य भारतीय भाषाओं में अनूदित हो रहा है। आप यशपाल जन्मशती वर्ष में हिंदी अकादमी, दिल्ली की पत्रिका *इंद्रप्रस्थ भारती* के वृहद् *यशपाल विशेषांक* का संपादन कर चुके हैं।

आपको उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, हिंदी अकादमी, दिल्ली तथा अनेक साहित्यिक संस्थाओं से साहित्य, भाषा तथा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in